Bihar Police Constable Question Paper 2025 (Memory Based)

Q1. भारतीय संविधान का निम्नलिखित में से कौन सा अनुच्छेद भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के कार्यालय की व्याख्या करता है?
(a) अनुच्छेद 165
(b) अनुच्छेद 125
(c) अनुच्छेद 368
(d) अनुच्छेद 148
Ans: D
Sol: सही उत्तर है (d) अनुच्छेद 148
स्पष्टीकरण:

- →भारतीय संविधान के अनुच्छेद 148 में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) के कार्यालय की स्थापना का प्रावधान है ।
- →इसमें CAG की नियुक्ति , कार्यकाल , सेवा की शर्तें तथा कर्तव्यों और शक्तियों का उल्लेख किया गया है।
- →CAG एक स्वतंत्र प्राधिकरण है जो भारत सरकार और राज्य सरकारों की सभी प्राप्तियों और व्ययों की लेखापरीक्षा के लिए जिम्मेदार है, जिसमें सरकार द्वारा वित्तपोषित निकायों और प्राधिकरणों के व्यय भी शामिल हैं।

Information Booster:
भारत के CAG से संबंधित संवैधानिक और कानूनी प्रावधान

प्रावधान	विवरण
अनुच्छेद 148	नियुक्ति : CAG की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर और मुहर सहित वारंट द्वारा की जाती है। सेवा शर्तें : वेतन और सेवा की शर्तें संसद द्वारा कानून के माध्यम से निर्धारित की जाती हैं। आगे के कार्यालय के लिए अयोग्यता : कार्यकाल के बाद केंद्र या राज्य सरकार के तहत आगे के कार्यालय के लिए पात्र नहीं। व्यय : वेतन, भत्ते और पेंशन सहित CAG के सभी खर्च भारत के समेकित कोष (CFI) पर लगाए जाते हैं ।
अनुच्छेद 149	कर्तव्य एवं शक्तियां : संसद द्वारा बनाए गए किसी कानून द्वारा या उसके अधीन निर्धारित की जाएंगी।
अनुच्छेद 150	खातों का प्रारूप : संघ और राज्यों के खातों को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित प्रारूप में बनाए रखा जाएगा।
अनुच्छेद 151	लेखापरीक्षा रिपोर्ट : संघीय खातों से संबंधित रिपोर्टें CAG द्वारा राष्ट्रपति को प्रस्तुत की जाती हैं, जो उन्हें संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखते हैं।
अनुच्छेद 279	शुद्ध आय का प्रमाणन : CAG किसी भी कर या शुल्क की शुद्ध आय को प्रमाणित करता है। उसका प्रमाणपत्र अंतिम और बाध्यकारी होता है । शुद्ध आय = कुल संग्रह घटा संग्रह की लागत।
CAG (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971	कार्यकाल : 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक , जो भी पहले हो, पद पर बने रहते हैं। त्यागपत्र : राष्ट्रपति को पत्र लिखकर त्यागपत्र दे सकते हैं। हटाया जाना : राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान तरीके से और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है । सेवा शर्तें : संसद द्वारा निर्धारित की जाती हैं और नियुक्ति के बाद CAG के लिए नुकसानदेह नहीं बदली जा सकतीं ।

Additional Knowledge:

- →अनुच्छेद 165 : राज्य के महाधिवक्ता से संबंधित है।
- →अनुच्छेद 125 : सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन, भत्ते और विशेषाधिकारों से संबंधित है ।
- →अनुच्छेद 368 : संवैधानिक संशोधनों की प्रक्रिया का वर्णन करता है।

Q2. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 17 _____ से संबंधित है।
(a) शिक्षा का अधिकार
(b) उपाधियों का उन्मूलन
(c) अस्पृश्यता का उन्मूलन
(d) कानून के समक्ष समानता

Ans: C
Sol: सही उत्तर: (c) अस्पृश्यता का उन्मूलन।
- →भारतीय संविधान का अनुच्छेद 17अस्पृश्यता के उन्मूलन से संबंधित है। यह घोषणा करता है कि अस्पृश्यता की प्रथा समाप्त कर दी गई है और इसके किसी भी रूप में अभ्यास को निषिद्ध किया गया है।
- →यह सुनिश्चित करता है कि किसी व्यक्ति के साथ अस्पृश्यता के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा, और इसका पालन एक दंडनीय अपराध माना जाता है।

सूचना वर्धक:
- →शिक्षा का अधिकारअनुच्छेद 21A के अंतर्गत आता है, जो 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाता है।
- →उपाधियों का उन्मूलनअनुच्छेद 18 के तहत है, जो राज्य को उपाधियाँ देने से रोकता है, सिवाय सैन्य और शैक्षणिक विशिष्टताओं के।
- →कानून के समक्ष समानताअनुच्छेद 14 के तहत प्रदान की जाती है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी नागरिकों के साथ कानून के समक्ष समान व्यवहार किया जाए।

Q3. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 164 मुख्यमंत्री की नियुक्ति के बारे में क्या कहता है?
(a) मुख्यमंत्री का चुनाव राज्य की विधान सभा द्वारा किया जाता है।
(b) मुख्यमंत्री की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
(c) राज्य में मुख्यमंत्री का चयन जनमत संग्रह के माध्यम से किया जाता है।
(d) मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाएगी।
Ans: D
Sol: सही उत्तर है: (D) मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाएगी।
स्पष्टीकरण:
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 164 में कहा गया है कि मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाएगी। हालाँकि, राज्यपाल को राज्य विधानसभा में बहुमत वाली पार्टी या गठबंधन के नेता को मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त करना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होता है कि नियुक्त व्यक्ति को सदन का विश्वास प्राप्त है।
सूचना बूस्टर:
- →राज्यपाल मुख्यमंत्री को पद की शपथ दिलाता है।
- →मुख्यमंत्री राज्यपाल की इच्छा पर पद धारण करता है, लेकिन वास्तव में, वे तब तक सत्ता में रहते हैं जब तक उनके पास विधानसभा में बहुमत होता है।
- →मंत्रिपरिषद की नियुक्ति भी राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री की सलाह पर की जाती है।

मुख्य बिंदु:
- →राज्यपाल का विवेक:यदि किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है, तो राज्यपाल अपने विवेक का उपयोग करके ऐसे मुख्यमंत्री को नियुक्त कर सकता है जो विधानसभा में बहुमत साबित कर सके।
- →कार्यकाल: मुख्यमंत्री राज्यपाल की इच्छा पर्यन्त पद धारण करता है, लेकिन व्यावहारिक रूप से तब तक कार्य करता है जब तक उसे विधानसभा में बहुमत का समर्थन प्राप्त होता है।
- →मंत्रिपरिषद: मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषद का प्रमुख होता है, जो सामूहिक रूप से विधान सभा के प्रति उत्तरदायी होता है।
- →राज्यपाल की भूमिका: मुख्यमंत्री राज्यपाल और राज्य मंत्रिमंडल के बीच कड़ी के रूप में कार्य करता है।

Q4. पानीपत का तीसरा युद्ध किस वर्ष लड़ा गया था ?
(a) 1761
(b) 1764
(c) 1576
(d) 1756
Ans: A
Sol: सही उत्तर: A. 1761
स्पष्टीकरण:
पानीपत का तीसरा युद्ध 14 जनवरी 1761 को मराठा साम्राज्य और अहमद शाह अब्दाली (दुर्रानी) के नेतृत्व वाली अफगान सेना के बीच लड़ा गया था। इसे 18वीं सदी की सबसे बड़ी और सबसे खूनी युद्धों में से एक माना जाता है।सदाशिवराव भाऊ के नेतृत्व में मराठों को करारी हार का सामना करना पड़ा, जिसने भारतीय इतिहास में एक बड़ा मोड़ ला दिया।

Information Booster:
- →स्थान: पानीपत, वर्तमान हरियाणा में।
- →अहमद शाह अब्दाली कोशुजा-उद-दौला (अवध के नवाब) और नजीब-उद-दौला (रोहिला प्रमुख) का समर्थन प्राप्त था।
- →इस युद्ध के कारण उत्तर भारत में मराठा शक्ति में महत्वपूर्ण गिरावट आई।
- →इस पराजय से सत्ता में शून्यता पैदा हो गयी जिसका बाद में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने फायदा उठाया।
- →युद्ध में मरने वालों की अनुमानित संख्या 100,000 से अधिक थी, जिनमें नागरिक भी शामिल थे।

Additional Information:
- →1764 – ग़लत; यह बक्सर का युद्ध का वर्ष था।
- →1576- ग़लत; अकबर और महाराणा प्रताप के बीच हल्दीघाटी के युद्ध का वर्ष।

Q5. बक्सर का युद्ध _____ में लड़ा गया था।
(a) 1767
(b) 1757
(c) 1764
(d) 1774
Ans: C
Sol: सही उत्तर है 1764
बक्सर की लड़ाई 22 अक्टूबर 1764 को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी, जिसका नेतृत्व मेजर हेक्टर मुनरो कर रहे थे, और मीर कासिम (बंगाल के नवाब), शुजा-उद-दौला (अवध के नवाब) और शाह आलम द्वितीय (मुगल सम्राट) की संयुक्त सेना के बीच लड़ी गई। यह लड़ाई भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई, जिसने बंगाल पर ब्रिटिश नियंत्रण को पुख्ता किया और भारत में उनके राजनीतिक और सैन्य प्रभुत्व को मजबूत किया।
बक्सर की लड़ाई के महत्वपूर्ण बिंदु:
- →यह प्लासी की लड़ाई (1757) के बाद के संघर्षों का हिस्सा थी, जिसमें मीर कासिम ने ब्रिटिश प्रभाव से स्वतंत्रता पाने का प्रयास किया।
- →इस युद्ध में ब्रिटिश जीत ने मुगल साम्राज्य की सत्ता को कमजोर किया।
- →लड़ाई के बाद इलाहाबाद की संधि (1765) पर हस्ताक्षर हुए, जिससे ब्रिटिशों को बंगाल, बिहार और उड़ीसा में दीवानी अधिकार (राजस्व संग्रह का अधिकार) मिल गया।
- →यह लड़ाई ब्रिटिश विस्तार और भारत के अन्य क्षेत्रों पर उनके नियंत्रण का मार्ग प्रशस्त करने में सहायक रही।

Information Booster:
- →प्लासी की लड़ाई (1757): इसने भारत में ब्रिटिश राजनीतिक नियंत्रण की शुरुआत की, जब ब्रिटिशों ने सिराज-उद-दौला को हराया।
- →मीर कासिम: बंगाल के नवाब, जिन्होंने ब्रिटिशों से स्वतंत्रता पाने की कोशिश की, लेकिन बक्सर में हार गए।
- →शुजा-उद-दौला: अवध के नवाब, जिन्होंने मीर कासिम और मुगल सम्राट के साथ मिलकर ब्रिटिशों के खिलाफ संघर्ष किया।
- →हेक्टर मुनरो: ब्रिटिश कमांडर जिन्होंने बक्सर की लड़ाई में ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना का नेतृत्व किया और जीत हासिल की।

Q6. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1929 के लाहौर अधिवेशन की अध्यक्षता किस नेता ने की, जहाँ 'पूर्ण स्वराज' का प्रस्ताव पारित किया गया था?
(a) सुभाष चंद्र बोस
(b) जवाहरलाल नेहरू
(c) लाला लाजपत राय
(d) सी.आर.दास
Ans: B
Sol: सही उत्तर है : (b) जवाहरलाल नेहरू
व्याख्या: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1929 के लाहौर अधिवेशन की अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू ने की थी। इसी अधिवेशन के दौरान 'पूर्ण स्वराज' (पूर्ण स्वतंत्रता) के लिए ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया गया था। इस प्रस्ताव में ब्रिटिश शासन से पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की गई थी और यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। इस अधिवेशन में 26 जनवरी, 1930 को स्वतंत्रता दिवस के रूप में औपचारिक रूप से अपनाने का भी उल्लेख किया गया , जब स्वतंत्रता की घोषणा का पहला संस्करण बनाया गया था।
Information Booster:
- →पूर्ण स्वराज के प्रस्ताव ने कांग्रेस के दृष्टिकोण में बदलाव को चिह्नित किया, जो डोमिनियन स्थिति की मांग से आगे बढ़कर ब्रिटिश शासन से पूर्ण स्वतंत्रता की मांग करने लगा।
- →लाहौर अधिवेशन 31 दिसंबर 1929 को आयोजित किया गया था और यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सबसे निर्णायक क्षणों में से एक था।
- →जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता आंदोलन में केंद्रीय भूमिका निभाई और उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के प्रति अधिक उग्र रुख अपनाया।
- →पूर्ण स्वराज प्रस्ताव को बाद में प्रतिवर्ष स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाने लगा , जिसकी पहली घोषणा 26 जनवरी 1930 को की गई, जिसने भारत छोड़ो आंदोलन और अंततः 1947 में भारत की स्वतंत्रता के लिए मंच तैयार किया ।

Q7. रौलट एक्ट कब पारित हुआ था?
(a) 1920
(b) 1918
(c) 1919
(d) 1917
Ans: C
Sol: सही उत्तर है विकल्प (c) 1919।
व्याख्या:
रॉलेट एक्ट (Rowlatt Act) को 1919 में ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार द्वारा भारत में पारित किया गया था। इसे आधिकारिक रूप से "अराजक और क्रांतिकारी अपराध अधिनियम" (Anarchical and Revolutionary Crimes Act) कहा गया। इसका उद्देश्य भारत में बढ़ती असंतोष और क्रांतिकारी गतिविधियों को दबाना था।
इस अधिनियम के तहत ब्रिटिश सरकार को बिना मुकदमे के गिरफ्तारी और नजरबंदी की शक्ति मिल गई। इसके अलावा इसने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सभा की स्वतंत्रता जैसे मौलिक अधिकारों पर कठोर प्रतिबंध लगा दिए। रॉलेट एक्ट का पूरे देश में विरोध हुआ और इसे भारतीयों की नागरिक स्वतंत्रता पर सीधा हमला माना गया।
Information Booster:
- →प्रथम विश्व युद्ध के दौरान भारत में बढ़ते राष्ट्रवादी आंदोलनों और अशांति के जवाब में 1919 का रॉलेट एक्ट पारित किया गया था।
- →मोहनदास गांधी ने इस एक्ट के विरुद्ध अहिंसक विरोध प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप अंततः रॉलेट सत्याग्रह हुआ।
- →इस एक्ट के कारण व्यापक विरोध और हिंसा भड़क उठी, जिसकी परिणति अप्रैल 1919 में अमृतसर के जलियाँवाला बाग हत्याकांड में हुई, जहाँ ब्रिटिश सैनिकों ने शांतिपूर्ण जनसमूह पर गोलियाँ चलाईं।
- →रॉलेट एक्ट उन प्रमुख घटनाओं में से एक था जिसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को तीव्र किया।

Q8. बिहार में प्रसिद्ध सोनपुर मेला, जो पशु मेले के रूप में जाना जाता है, किस नदी के तट पर आयोजित होता है?
(a) गंगा
(b) गंगा और गंडक के संगम पर
(c) गंडक और कोसी के संगम पर
(d) सोन और गंगा के संगम पर
Ans: B
Sol: सही उत्तर है- विकल्प (b) गंगा और गंडक के संगम पर
स्पष्टीकरण:
- →सोनपुर मेला, जिसे हरिहर क्षेत्र मेला भी कहा जाता है, भारत के बिहार राज्य में सारण और वैशाली जिलों की सीमा पर स्थित सोनपुर नगर में लगता है। यह मेला गंगा और गंडक नदियों के संगम पर आयोजित किया जाता है और एशिया के सबसे बड़े पशु मेलों में गिना जाता है।
- →यह आयोजन हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के दिन प्रारंभ होता है, जो आमतौर पर नवंबर महीने में आता है। धार्मिक दृष्टिकोण से भी यह मेला अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस दिन हिंदू श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए गंगा-गंडक संगम पर एकत्र होते हैं और हरिहरनाथ मंदिर में पूजा करते हैं। स्थानीय स्तर पर इसे 'छत्तर मेला' के नाम से भी जाना जाता है।
- →यद्यपि यह मेला मुख्य रूप से पशु मेले के रूप में प्रसिद्ध है, लेकिन इसकी विशेषता यह है कि यहां सूई से लेकर हाथी तक हर प्रकार की वस्तु की खरीद-बिक्री होती है। इतिहासकारों के अनुसार, प्राचीन काल में यह मेला मध्य एशिया के व्यापारियों के लिए भी एक बड़ा केंद्र था, विशेषकर हाथियों के व्यापार के लिए।
- →ऐसा कहा जाता है कि चंद्रगुप्त मौर्य, मुगल बादशाह अकबर और 1857 की क्रांति के नायक कुंवर सिंह ने भी यहीं से हाथियों की खरीद की थी। ब्रिटिश अधिकारी रॉबर्ट क्लाइव ने वर्ष 1803 में यहां एक बड़ा घुड़साल (अस्तबल) बनवाया था।
- →हरिहरनाथ मंदिर इस मेले का प्रमुख धार्मिक आकर्षण है, जो भगवान विष्णु (हरि) और भगवान शिव (हर) की एकीकृत मूर्ति के लिए विख्यात है — इसे दुनिया का इकलौता ऐसा मंदिर माना जाता है। लोक परंपरा के अनुसार, इस मंदिर की स्थापना स्वयं ब्रह्मा जी ने की थी। संगम के पास स्थित दक्षिणेश्वरी काली की प्रतिमा में भी शुंग वंश कालीन स्थापत्य कला के अवशेष देखे जा सकते हैं।

Q9. डॉ. भीमराव अंबेडकर ने किस मौलिक अधिकार को संविधान की आत्मा कहा है?
(a) स्वतंत्रता का अधिकार
(b) उत्पीड़न के विरुद्ध अधिकार
(c) समानता का अधिकार
(d) संवैधानिक उपचार का अधिकार

Ans: D
Sol: (d) संवैधानिक उपचार का अधिकार
भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संवैधानिक उपचार के अधिकार को "संविधान की आत्मा" कहा था। यह अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 में निहित है, जो व्यक्तियों को अपने मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए सर्वोच्च न्यायालय में जाने का अधिकार प्रदान करता है। डॉ. अंबेडकर का मानना था कि इस अधिकार के बिना मौलिक अधिकार निरर्थक होंगे, क्योंकि उनके उल्लंघन को चुनौती देने के लिए कोई कानूनी उपाय नहीं होगा।
Additional Information:
1. अनुच्छेद 32 नागरिकों को अपने मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए सीधे सर्वोच्च न्यायालय में जाने का अधिकार देता है।
2. यह अधिकार मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के विरुद्ध न्यायिक सुरक्षा सुनिश्चित करता है तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करता है।
3. डॉ. अम्बेडकर ने इसे संविधान की "आत्मा" कहा क्योंकि यह न्यायपालिका को नागरिकों के अधिकारों को किसी भी उल्लंघन से बचाने का अधिकार देता है।
4. सर्वोच्च न्यायालय अधिकारों के प्रवर्तन के लिए रिट (बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, उत्प्रेषण और अधिकार पृच्छा) जैसे आदेश जारी कर सकता है।
5. अनुच्छेद 226 उच्च न्यायालयों के माध्यम से इसी प्रकार के उपचार की अनुमति देता है, लेकिन अनुच्छेद 32 सर्वोच्च न्यायालय तक सीधी पहुंच प्रदान करता है।

अतिरिक्त जानकारी:
- →संवैधानिक उपचारों के अधिकार के बिना, संविधान में प्रवर्तन तंत्र का अभाव होगा, जिससे अधिकारों के उल्लंघन की आशंका बनी रहेगी।
- →संवैधानिक उपचारों का अधिकार भारत के लिए अद्वितीय है और संविधान की सर्वोच्चता सुनिश्चित करता है।
- →यह अधिकार नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा में न्यायपालिका के महत्व पर जोर देता है।

Q10. कान्हा टाइगर रिजर्व किस राज्य में स्थित है?
(a) पश्चिम बंगाल
(b) उत्तराखंड
(c) उत्तर प्रदेश
(d) मध्य प्रदेश
Ans: D
Sol: सही उत्तर है (d) मध्य प्रदेश
स्पष्टीकरण:
- →कान्हा टाइगर रिजर्व भारत के मध्य प्रदेश राज्य में स्थित है। यह देश के सबसे बड़े और सबसे प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व में से एक है, जो बाघों की महत्वपूर्ण आबादी के साथ-साथ वन्यजीवों की विभिन्न अन्य प्रजातियों के लिए जाना जाता है।

Information Booster:
- →कान्हा टाइगर रिजर्व भारत के मध्य भाग में मध्य प्रदेश राज्य में स्थित है।
- →यह रिजर्व बाघों और उनके आवासों के संरक्षण हेतु प्रोजेक्ट टाइगर पहल का हिस्सा है।
- →यह रॉयल बंगाल टाइगर्स और अन्य वन्यजीवों जैसे कि बारहसिंगा, जो एक लुप्तप्राय प्रजाति है, की एक महत्वपूर्ण आबादी का घर है।
- →कान्हा टाइगर रिजर्व भी यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

अतिरिक्त ज्ञान :
- →पश्चिम बंगाल: पश्चिम बंगाल में सुंदरवन जैसे अन्य वन्यजीव अभयारण्य भी हैं।
- →उत्तराखंड: उत्तराखंड जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय पार्क, एक प्रसिद्ध बाघ अभयारण्य का घर है।
- →उत्तर प्रदेश: उत्तर प्रदेश में दुधवा राष्ट्रीय उद्यान जैसे वन्यजीव अभयारण्य हैं।